नव भारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

बढ़ती महंगाई : अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी

देश में एक बार फिर खाद्य महंगाई चिंता का विषय बन गई है. ताजा आंकड़ों के अनुसार जून में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.32 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो पिछले 17 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है. वहीं खुदरा महंगाई भी बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई है. इसका सीधा असर आम परिवारों की रसोई पर पड़ रहा है. दाल, सब्जियां, फल, खाद्य तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से मध्यम और निम्न आय वर्ग का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है.

महंगाई केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं होती, बल्कि यह हर परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा सवाल है. जब रसोई का खर्च बढ़ता है तो सबसे पहले परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है. पौष्टिक भोजन की जगह सस्ते विकल्प अपनाने की मजबूरी बढ़ती है. इसका असर केवल वर्तमान पर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है. रिपोर्ट के अनुसार टमाटर, प्याज, दालें, खाद्य तेल और फलों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है. मौसम की अनिश्चितता, अत्यधिक गर्मी, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं तथा परिवहन लागत बढ़ने जैसे कारणों ने खाद्य पदार्थों की कीमतों को ऊपर धकेला है. वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और खाद्य तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर भी भारतीय बाजार पर दिखाई दे रहा है.

रिजर्व बैंक ने महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए 4 प्रतिशत का लक्ष्य रखा है, जिसमें 2 प्रतिशत का ऊपर-नीचे का दायरा स्वीकार्य है. फिलहाल खुदरा महंगाई इसी दायरे में है, लेकिन खाद्य महंगाई का लगातार बढ़ना भविष्य के लिए चिंता का संकेत है. यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो ब्याज दरों, निवेश और आर्थिक विकास पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है.

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह महंगाई पर नियंत्रण रखते हुए किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य भी दिलाए. केवल कीमतें दबा देना स्थायी समाधान नहीं हो सकता. कृषि उत्पादन बढ़ाने, भंडारण क्षमता मजबूत करने, कोल्ड चेन का विस्तार करने और जमाखोरी पर कठोर कार्रवाई करने की आवश्यकता है. राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय भी जरूरी है, ताकि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति समय पर बनी रहे. इसके साथ ही उपभोक्ताओं को भी बदलती परिस्थितियों के अनुरूप संतुलित उपभोग की आदत विकसित करनी होगी. स्थानीय और मौसमी उत्पादों को प्राथमिकता देने से मांग का दबाव कम किया जा सकता है. हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि महंगाई की पूरी जिम्मेदारी नागरिकों पर डाल दी जाए. मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करना सरकार और नीति निर्माताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है.

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है. ऐसे समय में लगातार बढ़ती खाद्य महंगाई विकास की इस रफ्तार पर सवाल खड़े कर सकती है. आर्थिक प्रगति का वास्तविक लाभ तभी माना जाएगा, जब आम नागरिक की थाली सुरक्षित रहे और रसोई का बजट संतुलित बना रहे. सरकार को त्वरित और दीर्घकालिक दोनों स्तरों पर प्रभावी कदम उठाने होंगे, क्योंकि महंगाई पर नियंत्रण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और जन विश्वास बनाए रखने की भी अनिवार्य शर्त है.

यूके व्यापार समझौते से बड़े अवसर खुलेंगे

पीयूष गोयल

आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा. इससे हमारे छोटे व्यवसायों, किसानों, मछुआरों, नवोन्मेषकों, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी 'व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता' (सीईटीए) आज से लागू हो रहा है. यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हैऔर यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार- अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा.

> महिलाओं के लिए बड़ी जीत ङ्क यह ऐतिहासिक समझौता, जो पारंपरिक एफटीए से कहीं अधिक है, सतत और समावेशी आर्थिक विकास में महिलाओं के योगदान को मान्यता देता है. इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए अवसर और लाभ को बढ़ावा देना है. दोनों देशों ने महिलाओं की बाज़ार और उभरते क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाने, वित्तीय समावेश और साक्षरता को बढ़ावा देने, कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करने, और उनकी क्षमता और कौशल विकसित करने जैसी विभिन्न गतिविधियाँ का वादा किया है. सीईटीए सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है. यह भारत की क्षमताओं और आकांक्षाओं में विश्वास का एक वक्तव्य है .यह एक नए भारत को प्रतिबिंबित करता है, जो सिर्फ वैश्विक व्यापार में भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि इसे आकार देने में भी मदद कर रहा है. हमारे किसानों, मछुआरों, कामगारों, महिला उद्यमियों, एमएसएमई, पेशेवरों और युवाओं को सशक्त बनाकर, यह समझौता देश के प्रत्येक हिस्से में रह रहे हर भारतवासी को अवसर उपलब्ध कराएगा.

इससे भारतीय निर्माताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा. इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को भी तेज गति मिलेगी. व्यवसायियों में उत्साह है. उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं. रत्न और आभूषण निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230त्न बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी. पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है,लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा.इसमें लगभग 100 प्रतिशत व्यापार मूल्य शामिल है, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेज़ी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे. युवा सोच, वैश्विक अवसर- यह जन-केंद्रित एफटीए 15 जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है. 2015 में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल भारत मिशन की शुरुआत की थी, जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है. भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं.

बेहतर बाजार पहुँच और नियामक स्पष्टता से भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन मिलेगा. रोज़गार के अवसर - युवाओं को रोज़गार के ज़्यादा मौके मिलेंगे, क्योंकि बेहतर पहुँच के साथ रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते, जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे. कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुंच को बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके,सीईटीएभारतीय युवाओं को जरूरी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें. सीईटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था. यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीएके साथ लागू हो रही है, भारतीय श्रमिकों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है.

कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है. स्थानीय स्तर पर उगाएं, वैश्विक स्तर पर बेचें - भारतीय किसानों को 37.5 बिलियन डॉलर के ब्रिटेन के बाजार तक आसान पहुंच से फायदा होगा. इससे भारतीय डेयरी उत्पादों, चाय, कॉफी, मसालों, फलों, सब्जियों, फलों के रस, मांस और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा.

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

दिल्ली डायरी

कांग्रेसी युवा नेताओं के लिए कवच बन रहे हैं राहुल गांधी

प्रवेश कुमार मिश्र

लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी पार्टी के अंदर मौजूद युवा नेताओं को न सिर्फ आगे बढ़ाकर पार्टी के अंदर पीढ़ीगत बदलाव को महत्व दे रहे हैं बल्कि ऐसे नेताओं के खिलाफ खड़े होने वाले वरिष्ठ नेताओं के सामने कवच बन खड़े रह रहे हैं.

दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पिछले दिनों पंजाब में जिस तरह से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के खिलाफ मोर्चाबंदी कर उन्हें पदमुक्त करने के लिए दबाव बनाया था उससे ऐसा लगने लगा था कि चुनावी राज्य होने के नाते पार्टी हाईकमान कोई अप्रत्याशित फैसला कर सकता है लेकिन इस दबाव को महत्वहीन करते हुए राहुल गांधी ने न सिर्फ खुद ही कवच बनकर प्रदेश अध्यक्ष का बचाव किया बल्कि वरिष्ठ नेताओं को सख्त लहजे में संदेश देकर मामले को शांत करने को कहा है.

संभवत: इसी वजह से कहा जा रहा है कि पार्टी महासचिव सचिन पायलट, मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी, सेवादल के नवनियुक्त प्रमुख बीबी श्रीनिवासन, असम के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई, दीपेंद्र हुड्डा समेत कई युवा नेताओं के खिलाफ किसी भी लाबिंग को राहुल गांधी समर्थन नहीं करते हैं बल्कि उन्हें मौका देते रहने की वकालत करते हैं.

हंगामेदार रह सकता है संसद का मानसून सत्र

अगले सप्ताह से आरंभ होने जा रहा संसद का मानसून सत्र हंगामेदार हो सकता है. क्योंकि विपक्षी दलों के रणनीतिकारों ने राममंदिर चढ़ावा चोरी मामला, आपरेशन सिन्दूर के संदर्भ में रक्षा मंत्री द्वारा कथित तौर पर गलत जानकारी देने को लेकर विशेषाधिकार हनन नोटिस देने,नीट-यूजी परीक्षा में कथित धांधली और देश के अन्य हिस्सों में हुए भर्ती पेपर लीक मामले, 130 वां संविधान संशोधन विधेयक जिसमें मंत्रियों की बर्खास्तगी का प्रावधान है, महंगाई, बेरोजगारी, महिला आरक्षण व परिसीमन विधेयक जैसे विषयों पर सरकार को घेरने की ठोस रणनीति बनाई है जिसके सदन में हंगामा तय माना जा रहा है.

वांगचुक का अनशन

परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़े सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का जंतर-मंतर चल रहे अनशन का चौदहवां दिन होने के बाद वांगचुक ने स्पष्ट किया है कि वे इस लड़ाई को तार्किक अंत तक ले जाने के लिए तैयार हैं और जब तक सरकार वार्ता की मेज पर नहीं आती, वे अनशन जारी रखेंगे. अनशन के कारण लगभग आठ किलो वजन घटा चुके वांगचुक की ओर से 20 जुलाई को संसद मार्च की घोषणा सरकार के लिए परेशान करने वाली है. वांगचुक का कहना है कि अनशन आमरण है.

अमीर बनाम गरीब की लड़ाई बनाने में जुटे भाजपाई

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन द्वारा खाली की गई सीट पर हो रहे उपचुनाव में अपने घोषित उम्मीदवार को बदलकर दूसरे उम्मीदवार को लड़ाने के भाजपाई फैसले को विपक्षी दलों द्वारा भले ही भाजपा की आंतरिक उठापटक का परिणाम बताया जा रहा है लेकिन भाजपाई इसे पार्टी की सोची समझी रणनीति का हिस्सा बता रहे हैं. हालांकि कुछ लोग कह रहे हैं कि पहले घोषित उम्मीदवार के नामांकन पेपर में कुछ कमी होने के कारण दूसरे उम्मीदवार को मैदान में उतारा गया है. इतना ही नहीं कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के पसंद के बजाय पार्टी रणनीतिक पक्ष पर आगे बढ़ी है क्योंकि प्रशांत किशोर सैकड़ों करोड़ के मालिक हैं ऐसे में उनके सामने एक सामान्य कार्यकर्ता और वह भी किसी दूसरे उम्मीदवार के मुकाबले सबसे गरीब है उसे उतारकर इस लड़ाई को अमीर बनाम गरीब की करने की कोशिश की जा रही है.

कौन होगा गोल्डन बूट का हकदार?

फीफा वर्ल्ड कप टूर्नामेंट अपने अंतिम दौर में पहुंचकर बेहद रोमांचक हो गया है. अब दुनिया के खेलप्रेमियों की नजरें फ्रांस और स्पेन के बीच 15 जुलाई को होने वाले पहले सेमीफाइनल पर हैं जिसमें पूरी उम्मीद है कि फ्रांस के काइलियन एम्बाप्पे और उस्मान डेम्बेले अपना कमाल दिखाएंगे. दूसरा सेमीफाइनल 16 जुलाई को इंग्लैंड व अर्जेंटीना के बीच होगा. अर्जेंटीना को अपने स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी के करिश्मे पर भरोसा है. सेमीफाइनल मैचों की 2 विजेता टीम फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगी. इन 4 टीमों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. मोटे तौर पर अनुमान है कि फ्रांस और अर्जेंटीना की फाइनल में टक्कर हो सकती है. वजह यह है कि इंग्लैंड ने 1966 के बाद से 60 वर्षों में कभी भी वर्ल्डकप नहीं जीता हालांकि उसकी टीम में भी डेविड बेकहैम जैसा जबरदस्त खिलाड़ी था. स्पेन सिर्फ 1 बार वर्ल्डकप जीतने में कामयाब हुआ था जबकि फ्रांस 2 बार तथा अर्जेंटीना 3 बार चैंपियन रहा है. खास बात यह है इस बारअमेरिका में हो रहे फीफा वर्ल्डकप में ब्राजील और जर्मनी जैसी नामी टीमें बाहर हो गईं. रोनाल्डो जैसा खिलाड़ी अनलकी रहा. अर्जेंटीना को किस्मत ने साथ दिया. उसने क्वार्टर फाइनल में स्विटजरलैंड को 3-1 से हराया. इसके पहले 16 देशों के राउंड में अर्जेंटीना ने मिस्त्र (इजिप्त) को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया था. एम्बापे के गोल की वजह से फ्रांस मोरक्को को हराकर सेमी फाइनल में आया. जब 32 देशों के बीच प्रतिस्पर्धा थी तब भी केप वर्दे को अर्जेंटीना ने मेसी के गोल की वजह से 3-2 से पछाड़ा था. निश्चित रूप से सेमी फाइनल में चारों टीमें जी-जान लगाकर खेलेंगी. उनके सामने करो या मरो का सवाल है. अब यह प्रश्न भी दिलचस्प है कि गोल्डन बूट का हकदार कौन सा खिलाड़ी होगा? फ्रांस के एम्बाप्पे ने इस टूर्नामेंट में 8 गोल किए हैं और अर्जेंटीना का मेसी भी इतने ही गोल करके उसकी बराबरी पर है. उम्मीद है कि इन दोनों में से कोई गोल्डन बूट हासिल करेगा. दोनों का हुनर व फुर्ती लाजवाब है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

नेता छोड़ रहे कांग्रेस का हाथ पसंद आ रहा बीजेपी का साथ

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज कितने ही नेता कांग्रेस का हाथ छोड़कर बीजेपी का साथ पकड़ने लगे हैं. ऐसा क्यों हो रहा है? क्या 1885 में बनी 141 वर्ष पुरानी कांग्रेस के पंजे की पकड़ कमजोर हो गई है? एक जमाना था जब कांग्रेस से पंजा लड़ाने की कोई हिम्मत नहीं करता था. उसका टिकट मिलना चुनावी जीत की गारंटी बन जाता था. तब कहते थे कि कांग्रेस के नाम पर बिजली का खंभा भी खड़ा कर दो तो वह चुनाव जीत जाएगा. तब कांग्रेस नेता गर्व से कह सकते थे अपना हाथ जगन्नाथ !'

हमने कहा, 'कांग्रेस का चुनाव चिन्ह पहले बैलजोड़ी था फिर उसे गाय-बछड़ा चुनाव चिन्ह मिला और इसके उपरांत उसे ऐसा हाथ मिला जो हस्तरेखा विज्ञान या पामिस्ट्री के लिहाज से दोषपूर्ण है. उस हाथ में भाग्य रेखा या लाइन ऑफ फेट ही नहीं है. लाइन ऑफ सन या प्रतिभा रेखा भी नहीं है. केवल हृदय रेखा और मस्तिष्क रेखा हैं वह भी कटी हुई या टूटी- कांग्रेस अपने हाथ की रेखाएं सुधार ले तो उसकी सोई हुई किस्मत जाग जाएगी.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, अंधविश्वास मत फैलाइए. हाथ की लकीरों में क्या रखा है! व्यक्ति अपने कर्मों से खुद का भाग्य बनाता है. कांग्रेस को चाहिए कि इंडिया गठबंधन मजबूत करने के लिए अन्य विपक्षी दलों की ओर देखकर कहे साथी हाथ बढ़ाना साथी रे, एक अकेला थक जाए तो मिलकर बोझ उठाना !' सहयोगी पार्टियों से कहना चाहिए- मांग के साथ तुम्हारा, मैंने मांग लिया संसार! विपक्ष के सभी दलों के नेता एकसाथ बैठकर राजश्री प्रोडक्शन की फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' देख सकते हैं. इससे उनकी एकजुटता की भावना मजबूत होगी. वे मजे से गा सकते हैं- तू अगर साथ देने का वादा करे, मैं यूं ही मस्त गीत गाता रहूं! वह यह भी गा सकते हैं-तेरा मेरा साथ रहे, धूप हो छाया हो, दिन हो या रात रहे!'

हमने कहा, 'आपका मतलब है कि राहुल गांधी यूपी विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव की साइकिल के कैरियर पर बैठ जाएं या फिर मायावती से निकटता बढ़ाकर 'चल चल चल मेरे साथी ओ मेरे हाथी' की धुन गुनगुनाने लगें ! राहुल को समझना होगा कि बीजेपी की शातिर चाल का मुकाबला करने के लिए सिर्फ हाथ चुनाव चिन्ह काफी नहीं है, हाथ की सफाई भी तो चाहिए.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12319

- डॉ. सागर खादीवाला

1		2	3	■	4	5	6
	■	7		8	■	9	
10			■	11	12		■
	■	13	14			■	15
16	17	■	18		■	19	
■	20	21	■		■	22	
23			24	■	25	■	
26		■	27				

ऊपर से नीचे

1. सिंह के समान पराक्रमी मनुष्य, नृसिंह नामक विष्णु का अवतार 2. परिवर्तित करना 3. लगन 5. दोष-विचार, उपद्रव आदि दबाना 6. आयु 8. नौ प्रकार की भक्ति 12. मोटे सूतों का बिछावन 14. इच्छा, इरादा, विचार 15. साथ में यात्रा करने वाला 17. राजमुकुट धारण करने या राजसिंहासन पर बैठने का उत्सव 19. फूल, दीये की बत्ती का जला हुआ अंश 21. नया, नूतन 23. तुम्हारा (सं.) 24. सीला, आर्द्र 25. अरुणोदय की लालिमा, प्रभात

बाएं से दाएं

1.देवता की पूजा के निमित्त की जाने वाली मनुष्य की हत्या 4. श्रीकृष्ण, परमेश्वर 7. नाश 9. शराब, मदिरा 10. एकमात्र, सिर्फ 11. चेहरा, मुख 13. नामक, नाम धारण करने वाला 16. रिक्त, खाली 18. आकाश, बादल 19. खोया हुआ, अप्रसिद्ध 20. लोग, प्रजा 22. गोंद, वह गुण जिससे कोई वस्तु चिपकती हो 23. वह वन जो तपस्वियों के रहने अथवा तपस्या करने के योग्य हो 26. वश में किया हुआ, अपने को वश में करने वाला 27. रंभा नामक दैत्य का पुत्र जिसे दुर्गा ने मारा था

Solution 12318

कू	प	मं	डू	क	■	इ	■
ट	क	■	■	म	हा	रा	ज
नी	ड़	क	■	जो	र	दा	र
ति	■	म	दा	री	■	■	दा
■	पो	ला	■	■	सं	क	र
पा	■	क्षी	र	सा	ग	र	■
टी	ला	■	वै	ध	■	गा	था
■	ज	ल	या	न	■	ला	ली

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, आर्थिक हानि होगी. भूमि भवन संबंधी मामलों में विवाद होगा. वर्ष के मध्य में सुखद यात्रा का योग है. स्थाई लाभ की योजना बनेगी. मित्र भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा. वर्ष के अन्त में मित्रों की लाभदायक योजना बनेगी. बौद्धिक कार्य विचार विमर्श होगा. सामाजिक कार्यो में ख्याति प्राप्त होगी. लेखनादि कार्यो में सफलता मिलेगी. गृहकार्यो में सफलता मिलेगी.

मेष ओर वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को सुखद यात्रा का योग है. स्थाई लाभ कीयोजना बनेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को आर्थिक गृहकार्यो में दक्षता रहेगी.मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को निजी कार्यो में स्थाई लाभ का योग है. कर्क राशि के व्यक्तियों को मनोबल बनारहेगा. सिंह राशि के व्यक्तियों का भूमि भवन संबंधी कार्यो में ख्याति प्राप्त होगी, मित्रों से विचार विमर्श होगा.धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अनावश्यक क्रोध से बचना चाहिये. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यापार में लाभ होगा, मित्रों व भाईयों से सहयोग बना रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक मिलनसार, संतोषी, एकांतप्रिय महत्वाकांक्षी स्वाभाव का होगा. इनकी शिक्षा अच्छी होगी. नौकरी में अच्छी सफलता प्राप्त होगी. माता पिता के प्रति आस्थावान और स्नेही रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

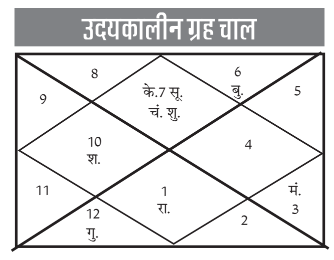

पंचांग

रा.मि. 24 संवत् 2083 आषाढ शुक्ल प्रतिपदा बुधवासरे दिन 1/23, पुष्य नक्षत्रे रात 12/31, हर्षण योगे दिन 10/48, वव करणे सू.उ. 5/17, सू.अ. 6/43, चन्द्रचार कर्क, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 4, 6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

आषाढ शुक्ल प्रतिपदा को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड, के भाव में उठाल आयेगा. लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी. रूई, चांवल सरसों, लाख गेहूँ, चना, के भाव में वृद्धि होगी. आज बाजार का रूख देखकर कार्य करें. भाग्यांक 6068 है.

मेष- पुरानी मुश्किलें दूर हो सकती है, जरूरतमंदों की मदद करके खुशी होगी, साधनों की अनुकूलता रहेगी, लाभदायक अवसर मिलेंगे.

वृषभ- आकस्मिक लाभ के अवसर मिलेंगे, नये कामकाज की शुरूआत हो सकती है, जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा.

मिथुन- जिद में आकर आप गलत फैसला ले सकते हैं, भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च होगा, शादी विवाह के कार्यों में खर्च होगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

कर्क- तय कार्यक्रम में बदलाव से समस्या हो सकती है, बिखरे काय समेटने में मित्रों की मदद मिलेगी, राजकीय कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है.

सिंह- कार्य को समय पर निपटाने की आदत डालें, सफलता मिलेगी, अधिकार में वृद्धि होगी, मान प्रतिष्ठा मिलेगी, अतिथि वृषभमन हो सकता है.

कन्या- स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, कामकाज के सिलसिले में यात्रा संभव है, किसी समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा, सुख सुविधाओ में वृद्धि होगी.

तुला- नए संपर्क केरिअर बनाने में सहायक रहेंगे, वैभव विलासिता की वस्तुओं का संचय होगा, आजीविका के प्रयास सफल होंगे.

वृश्चिक- निजी कार्यों को टालने से समस्या हो सकती है, संपत्ति संबंधी विवाद सुलझने के आसार हैं, जो भी मिल जाये उसी में संतोष रहेगा. यश प्राप्त होगा.

धनु- पारिवारिक मामलों में बाहरी दखल से समस्या बढ़ सकती है, कुटुम्बियों के संबंध में मधुरता रहेगी, जोड़तोड़ के कामकाज सफल होगा, परिश्रम अधिक रहेगा.

मकर- बुजुर्गो के व्यवहार से खिन्नता होगी, उच्च अध्ययन में बेहतर परिणाम मिलेंगे. कामकाज के प्रति लगन रहेगी. कार्य पूरे होने का हर्ष होगा.

कुम्भ- संतान को भाग्योदय के अवसर मिलेंगे, मेहनत का भरपूर लाभ होगा, आय व्यय समान रहेगा, पेट संबंधी विकार होगा, खानपान पर संयम रखें.

मीन- मनमौजी रवैया तरक्की में बाधक हो सकता है, नई जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ेगी, राजकीय कार्यों में समाधान होगा, मार्गलिक कार्य में खर्च होगा.

SUDOKU 7451

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7450

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6